Pre-Board Examination : 2022-23

हिन्दी

समय : 3 घण्टे | **कक्षा : X** | **पूर्णांक : 80**

भाग - (क) (व्याकरण)

1. **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :** (15)

(क) जीवन में सुख-समृद्धि पाने के लिए हर व्यक्ति अपने लिए सबसे योग्य व्यवसाय में जुड़ना चाहता है। आप अपने लिए किस व्यवसाय को चुनना पसंद करेंगे ? उसे प्राप्त करने के लिए आप क्या-क्या प्रयत्न करेंगे और उससे देश और समाज का क्या लाभ होगा ?

(ख) 'जल ही जीवन है' जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना करना व्यर्थ है। वर्तमान युग में जल संकट की समस्या किस प्रकार विकराल रूप लेती जा रही है ? **'जल बचाओ'** की आवश्यकता तथा इसके विभिन्न उपायों पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(ग) यदि आपको टेलीविजन के बिना समय बिताने के लिए बाध्य किया जाए तो आप अपना समय किस प्रकार व्यतीत करेंगे और क्यों ?

(घ) कहानी का अंतिम वाक्य होगा : "................ दूध का जला छाछ भी फूँक-फूँक कर पीता है।"

(ङ) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए तथा चित्र के आधार पर कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से हो।

Downloaded from www.icseboard.org

2. निम्नलिखित **में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :** (7)

(क) अपेक्षित देखरेख न होने के कारण निरंतर सूखते पेड़ों की दयनीय स्थिति की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए अपने क्षेत्र के उद्यान अधिकारी को पत्र लिखिए।

(ख) आपका छोटा भाई सारा दिन कंप्यूटर पर विभिन्न खेल खेलता रहता है। कंप्यूटर से होने वाली हानियों का वर्णन करते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए।

3. निम्नलिखित **गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

भगवान महावीर तब राजगृह में एकांत साधना कर रहे थे। बीच-बीच में उनका प्रवचन चलता, फिर वे एकांत साधना में लीन हो जाते थे। स्वर्ग में भी महावीर की इस कठोर तपस्या की जोर-जोर से चर्चा थी। सभी देवता उनकी इस तपस्या की भूरि-भूरि प्रशंसा कर रहे थे। यह बात इंद्र की सभा के एक देवता को रास न आई। उसने महावीर की तपस्या को खंडित करने की सोची। क्षण भर में ही वह महावीर की साधना स्थली तक जा पहुँचा और अपने दैवबल से उनकी तपस्या को भंग करने की चेष्टा करने लगा। कभी घनघोर वर्षा करवाई तो कभी तेज गर्मी। कभी पत्थरों की बरसात की तो कभी हिंसक पशुओं की भयंकर ध्वनियों द्वारा महावीर को साधना से डिगाने का प्रयत्न किया परंतु पूरे छह मास तक कठोर यातनाएँ सहकर भी वे थोड़ा भी विचलित न हुए तो देव बोला, ''मुनिश्रेष्ठ ! क्षमा करें ! आप तपस्या में श्रेष्ठ हैं, यह मैंने जान लिया है। (आप साधनारत रहें, मैं जाता हूँ। मेरे योग्य कोई सेवा हो तो कहने में संकोच ना करें। यह सुनकर महावीर शांत बदन असीम वेदना से भर उठा। देव ने पूछा, "मुनिवर, कहिए, क्या कष्ट है आपको। मैं आपके सभी कष्ट दूर कर सकता हूँ।''

महावीर बोले, "नहीं, यह संभव नहीं, क्योंकि कर्मों का फल तो भोगना ही पड़ता है।'' देव ने उनसे कहा, आपको वैदना का रहस्य तो कहना ही होगा।

महावीर ने कहना आरंभ किया, "देखो, तुमने छः मास तक मुझे पीड़ा पहुँचाने का प्रयत्न किया, लेकिन इससे मुझे वेदना नहीं हुई। पर इस कर्म से तुम्हारे ऊपर एक बोझ आ गया है, जिसे तुम्हें भोगना ही पड़ेगा। मेरी वेदना यह है कि तुम्हारे पतन का मैं कारण हूँ।'' मेरे कारण तुम्हें कष्ट पहुँचेगा, मुझे इसी की वेदना है।

देव हतप्रभ रह गया। उसका अहंकार चूर-चूर हो गया। स्वयं को समर्थ समझने वाला कितना अकिंचन है। उदारता और महानता का विशाल ज्योतिपुंज उसके समक्ष प्रकाशित हो रहा था। अनजाने में पहुँचाई पर-पीड़ा के लिए इतनी व्याकुलता, धन्य है यह आत्मज्ञान! और वह मौन नतमस्तक लौट गया।

Downloaded From www.rsboard.org

प्रश्न :

(क) महावीर की तपस्या से किसे कष्ट पहुँच रहा था और क्यों ? (2)

(ख) देव ने महावीर की तपस्या खंडित करने की क्यों सोची ? (2)

(ग) महावीर पर उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई ? (2)

(घ) देव ने महावीर से क्या आग्रह किया ? (2)

(ङ) महावीर की पीड़ा का क्या कारण था ? (2)

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार बताइए : (8)

(क) निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा शब्द 'कमल' का पर्यायवाची नहीं है ?

(अ) कुसुम (ब) नीरज (स) पंकज (द) जलज

(ख) अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए : ''दूसरे लोक से संबंधित''

(अ) पारलौकिक (ब) अलौकिक (स) परलैकिक (द) इनमें से कोई नहीं

(ग) भाववाचक संज्ञा बनाइए : ''लाल''

(अ) लाली (ब) लालू (स) लालु (द) लालिमा

(घ) लिंग बदलिए :

'लाला' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा ?

(अ) लालाइन (ब) ललाइन (स) ललाईन (द) लाली

(ङ) कारक चिन्ह बताइए :

दादाजी ने बच्चों को मिठाइयाँ दीं - इस वाक्य में 'को' किस कारक का चिन्ह है ?

(अ) करण (ब) संप्रदान (स) संबंध (द) कर्म

(च) ''वरदान'' का विपरीतार्थक शब्द है :

(अ) आदान (ब) प्रदान (स) अभिलाषा (द) अभिशाप

(छ) क्रिया का काल बताइए :

शायद आज वर्षा होगी। - इस वाक्य में क्रिया का काल क्या है ?

(अ) भविष्य काल (ब) भूतकाल (स) वर्तमान काल (द) अन्य

(ज) मुहावरे का अर्थ लिखिए : ''हाथ-पाँव फूलना''

(अ) हाथ-पाँव में दर्द होना (ब) बीमार होना

(स) बलशाली होना (द) घबरा जाना

Downloaded From www.icseboard.org

भाग - (ख)

साहित्य सागर-संक्षिप्त कहानियाँ

नोट : किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

5. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

यह एक भेड़िए की कथा नहीं, यह सब भेड़ियों की कथा है। सब जगह इस प्रकार प्रचार हो गया और भेड़ों को विश्वास हो गया कि भेड़िए से बड़ा उनका कोई हित चिंतक और हित रक्षक नहीं है।

(भेड़ें और भेड़िए - हरिशंकर परसाई)

(क) पंचायत के चुनाव से पहले भेड़ों ने क्या सपना देखा था ? समझाकर लिखिए। (2)

(ख) क्या भेड़ों का सपना सच हुआ यदि नहीं तो क्यों ? (2)

(ग) यह एक भेड़िए की कथा नहीं, यह सब भेड़ियों की कथा है। - आशय स्पष्ट कीजिए। (3)

(घ) 'भेड़ और भेड़िए' कहानी में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए। (3)

6. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

बड़े उदारचित्त और प्रतिभाशाली पुरुष थे, पर दुर्भाग्य से लड़का एक भी ना था। आनंदी चौथी लड़की थी वह अपनी सब बहनों से अधिक रूपवती और गुणवती थी।

(बड़े घर की बेटी - प्रेमचंद)

(क) ''बड़े उदारचित्त और प्रतिभाशाली पुरुष थे'' इन शब्दों का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? परिचय दीजिए। (2)

(ख) वह किस धर्म संकट में थे ? (2)

(ग) आनंदी का विवाह किसके साथ हुआ ? आनंदी का चरित्र-चित्रण कीजिए। (3)

(घ) 'परिवार की एकता उसके सदस्यों की समझदारी पर निर्भर करती है।' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (3)

7. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

उसी समय श्यामला जी की पत्नी जलपान लेकर आईं। उनके पीछे उनकी तीन छोटी लड़कियाँ और पल्ला पकड़े दो छोटे लड़के। मैं उनकी दुर्बल काया और पीला चेहरा देखकर स्तब्ध रह गया।

(भीड़ में खोया आदमी - लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय')

(क) श्यामला जी का परिचय देते हुए बताइए कि उनके परिवार में कुल कितने सदस्य हैं ? (2)

Downloaded From www.icseboard.org

(ख) श्यामलाजी की पत्नी की दुर्बलता का क्या कारण है और क्यों ? (2)

(ग) अस्पतालों की हालत के विषय में लिखिए। (3)

(घ) निरंतर बढ़ती जनसंख्या देश की प्रगति में किस प्रकार रुकावट है ? स्पष्ट कीजिए। (3)

साहित्य सागर-पद्य भाग

8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"बरस बाद सुधि लीन्हीं-
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी,
क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भ्रम की,
बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(मेघ आए - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

(क) बादलों के मेहमान बनकर आने पर उनका स्वागत किस प्रकार होता है ? (2)

(ख) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस प्रकार देखा और क्यों ? (2)

(ग) दामिनी किसकी प्रतीक है ? पाहुन तथा दामिनी का क्या संबंध है ? दामिनी के दमकने पर क्या परिवर्तन आया ? (3)

(घ) शब्दार्थ लिखिए : (3)
सुधि, अकुलाई, क्षितिज, दामिनी, दमकी, अश्रु।

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
श्री कृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयस बढ़ाया,
जग को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया।
वह युद्ध भूमि मेरी, वह बुद्ध भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

(वह जन्मभूमि मेरी - सोहनलाल द्विवेदी)

(क) रघुपति कौन हैं ? उन्होंने कहाँ जन्म लिया था ? स्पष्ट उत्तर दीजिए। (2)

(ख) 'सीता' के विषय में आप क्या जानते हैं ? संक्षेप में लिखिए। (2)

Downloaded From www.icseboard.org

(ग) श्री कृष्ण ने 'वंशी' एवं 'गीता' किसे और कब सुनाई ? इस पंक्ति से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए। (3)

(घ) 'गीता ग्रंथ' किसका सार है ? गीता का उपदेश किसने, किसको, किस अवसर पर दिया था ? (3)

10. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीन पर राम सरिस कोउ नाहीं।
जो गति जोग विराग जतन करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।
सो गति देत गीध सबरी कहूँ प्रभु न बहुत जिय जानी।।
जो संपत्ति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो संपदा विभीषण कहँ अति सकुच सहित प्रभु दीन्हीं।।
तुलसीदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम काम सब पूरन कर कृपानिधि तेरो।।

(विनय के पद – तुलसीदास)

(क) तुलसीदास जी किसके भजन कर रहे हैं ? वह किस प्रकार उदार हैं ? (2)

(ख) श्री राम ने परमगति किस-किस को प्रदान की और क्यों ? (2)

(ग) रावण को वैभव कैसे प्राप्त हुआ ? उस वैभव को भगवान राम ने किस प्रकार किसे दे दिया और क्यों ? (3)

(घ) तुलसीदास जी श्रीराम के भजन करने के लिए क्यों कह रहे हैं ? स्पष्ट कीजिए। (3)

Downloaded From www.icseboard.org